भारत सरकार
गृह मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 243
दिनांक 15.09.2020/24 भाद्रपद,1942 (शक) को उत्तर के लिए

हिंदी भाषा का संवर्धन

243. श्रीमती माला राज्यलक्ष्मी शाहः
कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देलः

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने आम बोलचाल में तथा सरकारी प्रयोजनार्थ अंग्रेजी तथा हिंदी मिश्रित हिंगलिश के बढ़ते उपयोग का संज्ञान लिया है;

(ख) क्या सरकार हिंदी भाषा के उपयुक्त एवं व्यावहारिक उपयोग को और बढ़ावा देने के लिए कोई विशेष प्रयास कर रही है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) विगत तीन वर्षों के दौरान सरकारी संस्थाओं में हिंदी भाषा के प्रशिक्षण एवं संवर्धन पर व्यय की गई निधियों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री नित्यानंद राय)

(क) जी, नहीं ।

(ख) एवं (ग) जी, हां। केंद्र सरकार की राजभाषा नीति प्रेरणा, प्रोत्साहन और सद्भावना पर आधारित है। राजभाषा विभाग द्वारा सरकारी कामकाज में सरल, सहज और बोधगम्य हिंदी का प्रयोग किए जाने को प्रोत्साहित किया जाता है।भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुपालन में केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान द्वारा केंद्र सरकार के हिंदी भाषा न जानने वाले कार्मिकों को अपना शासकीय काम हिंदी में करने हेतु हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान/दक्षता प्रदान करने हेतु कार्यालयीन हिंदी में व्याकरण की शुद्धता, मानक शब्दावली तथा मानक स्वरूप को ध्यान में रखते हुए हिंदी भाषा, हिंदी शब्द संसाधन और हिंदी आशुलिपि का प्रशिक्षण दिया जाता है। केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो द्वारा अनुवाद कार्य करते समय

लो.स.अता.प्र.सं.243

यथासंभव मानक शब्दावली का प्रयोग किया जाता है। इसी प्रकार, अनुवाद प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षुकों को भी मानक शब्दावली से परिचित कराया जाता है और उन्हें स्पष्ट किया जाता है कि वे कार्यालय में अनुवाद करते समय मानक शब्दावली का प्रयोग करें। इससे भाषा की शुद्धता, सरलता और सहजता सुनिश्चित होती है।

(घ) राजभाषा विभाग द्वारा पिछले तीन वर्षों के दौरान हिंदी के प्रशिक्षण और संवर्धन के लिए खर्च की गई राशि का ब्यौरा निम्नानुसार है :

क्र.सं.	**वर्ष**	**व्यय की गई राशि (करोड. रू. में)**
1.	2017-18	63.15
2.	2018-19	68.17
3.	2019-20	70.15

अन्य सरकारी विभागों/संस्थाओं में हिंदी के प्रशिक्षण और संवर्धन हेतु किया गया व्यय संबंधित संस्थाओं द्वारा अपने विवेकानुसार किया जाता है ।

*****